डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 56 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 05 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

प्रियंका, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की सभाओं का नहीं पड़ा असर

भोपाल, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणामों ने कई बड़े नेताओं का कद बढ़ा दिया है तो कई को जनता ने महत्व नहीं दिया। वहीं, कांग्रेस ने बड़ी उम्मीद के साथ कई क्षेत्रों में राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को चुनाव मैदान में उतारा। ले किन, जनसभाएं और रोड शो भी ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पाए।

❊ **राहुल गांधी–**राहुल गांधी ने आठ जनसभाएं की। इसके बाद भी पार्टी को बड़ी हार झेलनी पड़ी। इसके पहले भारत जोड़ो यात्रा में भी वह प्रदेश में आए थे। भोपाल में उत्तर और मध्य विधानसभा सीट पर उन्होंने रोड शो किया था, जहां पार्टी जीती, पर नरेला विधानसभा सीट हार गई।

❊ **प्रियंका वाड्रा–**प्रियंका ने कुक्षी (धार), इंदौर, सांवेर (इंदौर), खातेगांव (देवास), चित्रकूट (सतना), रीवा, दतिया और सिहावल(सीधी) में प्रचार किया। इनमें दो सीटों को छोड़ बाकी में भाजपा जीती है। इसके पहले जबलपुर में भी उन्होंने बड़ी जनसभा की थी, पर प्रदेश में उनका जादू नहीं चला।

❊ **मल्लिकार्जुन खरगे–** खरगे ने कटंगी (बालाघाट), शहपुरा (डिंडौरी), ग्वालियर, भोपाल मध्य, सेवढा (दतिया), श्योपुर, बैरसिया (भोपाल) और भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया। यह माना जा रहा था कि उनके प्रचार से अनुसूचित जाति (अजा) मतदाता कांग्रेस के पक्ष में आ जाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ।

❊ **अखिलेश यादव–**सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दमोह, पिछोर (शिवपुरी), धौहनी (सीधी), पन्ना, छतरपुर, जतारा (टीकमगढ़) निवाड़ी, जौर (मुरैना), बोहरीबंद (कटनी)में जन सभाएं की। पार्टी को एक भी सीट इस चुनाव में नहीं मिली।

❊ **मायावती–**बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी मुंगावली (अशोकनगर), निवाड़ी, बंडा (सागर), सतना, रीवा, सेवढा (दतिया), लहार (भिंड), मुरैना, पथरिया (दमोह) में जनसभाएं की। गोंगपा के साथ गठबंधन किया फिर भी पार्टी का अब तक सबसे लचर प्रदर्शन रहा।

❊ **अरविंद केजरीवाल–**आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी प्रदेश की जनता ने नकार दिया है। सिंगरौली में आप से महापौर रानी अग्रवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के साथ ही चुनाव लड़ाया। खुद विंध्य क्षेत्र की कुछ सीटों पर प्रचार किया पर एक भी सीट नहीं जिता पाए।

❊ **भगवंत सिंह मान–**आम आदमी पार्टी से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी अपनी पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में कुछ विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया। रोड शो भी किया पर मतदाताओं पर कोई असर नहीं डाल पाए।

मामला मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी की पराजय का...

बुढ़िया तो मर गई, पर मौत ने घर देख लिया...

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही गहमागहमी पर गत दिवस परिणाम आने के साथ ही विराम लग गया। मंदसौर विधानसभा चुनाव के जो परिणाम आए है, उन्हें देखते हुए एक प्रश्न खड़ा हो गया है। उसे सीधी भाषा में यदि पुराने मुहावरे से जोड़ा जाए तो यह कहा जा सकता है कि 'बुढ़िया तो मर गई, पर मौत ने घर देख लिया।' क्या यह संभव है कि अब जो भी चुनाव लड़ेगा, उस समय स्थितियों में सुधार होगा। हमारा तो मानना है कि अब लगातार स्थितियां और बिगड़ती जाएगी।

गुरु गणित

वास्तव में इन चुनावो में मल्हारगढ़, सुवासरा और गरोठ तो भगवान भरोसे और उम्मीदवारो की चुनाव रणनीतियो के चलते जीत गए। इसमें मोदी फैक्टर और लाड़ली बहना योजना का अपना योगदान रहा। लेकिन, भाजपा संगठन पुरी तरह गौण नजर आया। मंदसौर में तो संगठन बहुत ही बुरी स्थिति में नजर आया। मतदान के पूर्व और मतदान के दिन किसी भी पोलिंग पर संगठन की कोई कवायद नहीं दिखाई दी। ऐसा लगा कि कैडर बेस कही जाने वाली भाजपा का कैडर कहीं गुम हो गया है। वो तो भला हो संघ कैडर का, जिन्होंने स्थिति को भांप लिया और तत्काल काम में लग गए। अन्यथा स्थिति काफी गंभीर होती।

रही बात मंदसौर शहर की, तो यह बात तो स्पष्ट है कि जैन समाज के वोट जैसा कि माना जा रहा था, इस बार एक तरफा गए है। वहीं अन्य प्रबुद्ध समाज भी भाजपा से दूर हुआ है। हो सकता है कि भाजपा प्रत्याशी से कोई व्यक्तिगत द्वेष किसी का रहा हो। लेकिन, जनसंघ के समय से हिन्दूवादी विचारधारा का केन्द्र रहे मंदसौर शहर में भाजपा की ऐसी स्थित की आशंका तो कतई नहीं थी। ऐसा लगता है कि चुनाव में जैन समाज के साथ ही सवर्ण समाज या यह कहें कि वैश्य समाज का वोट बैंक भाजपा से कुछ दूर हुआ है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

संसदीय क्षेत्र में एक भी पाटीदार को टिकट नहीं दिए जाने से नाराज पाटीदार समाज बाहुल्य गांवो में भी भाजपा के विरूद्ध वोटिंग देखी गई। ताज्जुब तो यह हुआ कि राजपूत समाज बाहुल्य गांवो में भी भाजपा को बढ़त हासिल नहीं हुई। ऐसे में यह बात तो साफ दिखाई दे रही है कि इस बार भाजपा प्रत्याशी ने अकेले दम चुनाव लड़ा। जबकि, भाजपा कैडर ने छुपे तौर पर कांग्रेस प्रत्याशी की मदद की। अब चूंकि, जातिवाद से हमेशा दूरी बनाए रखने वाले मंदसौर ने इस बार जातिवादी राजनीति को करीब से देख लिया है। इसलिए यह मानने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि जातिवाद का जहर अब मंदसौर विधानसभा सहित समूचे जिले की विधानसभाओ में दिखाई देगा। और, यह स्थिति हिन्दू समाज को संगठित करने और संगठित रखने वाले संगठनो के लिए दुःखदाई होगी।

हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहा दम था...

संसदीय क्षेत्र में सिर्फ मंदसौर सीट गई भाजपा के हाथ से

जावद में गैर बने अपने, बचाई सकलेचा की विधायकी

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो संसदीय क्षेत्र की आठ में से छह सीटों पर कांग्रेस को एक तरफा हार का सामना करना पड़ा। कहीं से कहीं तक कांग्रेस मुकाबले में नजर नहीं आई। लेकिन, दो सीटों पर टक्कर कांटे की रही। जिसमें मंदसौर और जावद विधनसभा सीट शामिल है। आखिरी तीन राउंड तक यहां हार-जीत का कोई निर्णय नहीं हो पाया था। इस दौरान दिल की धड़कने बड़ा देने वाला माहौल बन गया था। अंत में मंदसौर में कांग्रेस ने तो जावद में भाजपा ने बाजी मार ली। अंतर दो हजार के लगभग रहा। लेकिन, मुकाबला दोनो जगह तगड़ा रहा। मंदसौर सीट की बात करें तो कहीं न कहीं यहां अपने बैगाने की तरह नजर आए। शायद यही कारण है कि मंदसौर सीट मामूली अंतर से चली गई। इधर जावद सीट बैगानों के कारण बच गई। कांग्रेस की गुटबाजी और नेताओं की नाराजगी ओमप्रकाश सकलेचा की जीत का कहीं न कहीं कारण बनी।

मंदसौर में परिवार फैक्टर

मंदसौर सीट की बात करें तो यहां परिवार फैक्टर ने भी तगड़ा प्रभाव डाला। कहीं न कहीं इस फैक्टर को लेकर भाजपा प्रत्याशी के करीबियों में खासी नाराजगी रही। इसके अलावा कर्मचारी वर्ग भी इससे नाराज था। कहीं न कहीं भाजपा की झोली में आते रहे कई वोट इस फैक्टर के कारण कांग्रेस की झोली में चले गए। वहीं कई मौकों पर भाजपा प्रत्याशी और स्थानीय बड़े नेताओं के बीच दरार की खबरे भी आई। इन बड़े नेताओं के समर्थक भी पार्टी के साथ जरुर खड़े नजर आए, लेकिन चुनाव में दिल से भाजपा प्रत्याशी के साथ नही रहे। यही कारण रहा कि नरेंद्र मोदी, शिवराजसिंह और लाडली बहना के बाद भी बीजेपी के इस मजबूत किले को कांग्रेस ने ढहा दिया।

राजकुमार अहिर का ऑडियो बता रहा जीत का राज...

जावद से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार अहिर का मतगणना के पूर्व एक ऑडियो वायरल हुआ। जिसमें ओमप्रकाश सकलेचा को जीताने की बात राजकुमार अहिर कह रहे थे। हालांकि राजकुमार अहिर ने इस ऑडियो को फर्जी बताया, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। कहीं न कहीं कांग्रेस प्रत्याशी समंदर पटेल के खिलाफ अपनों ने बगावत की। वह बगावत भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश सकलेचा के पक्ष में रही। यहां जीत लगभग दो हजार मतों से रही। इस जीत को बड़ा अंतर नहीं कहा जा सकता। कहीं न कहीं अपनों की बेरुखी कांग्रेस की हार का कारण बनी।

दोनों जगहों पर क्लोज फाइट...

मंदसौर और जावद में दोनों ही जगहों पर मुकाबला दिल की धड़कने बढ़ा देने वाला था। मंदसौर में बीस राउंड में से चौदह राउंड तक विपीन जैन के पास लगभग पांच सौ मतों की बढ़त थी। मतगणना बाकी थी दलौदा और आसपास के गांवों की। 16वें राउंड तक विपीन जैन को आठ सौ मतों की बढ़त रही। मतलब चार राउंड में से दो में यशपाल सिंह को बड़ी बढ़त या तीन में मामूली बढ़त की दरकार थी। जिससे मुकाबला सौ या दो सौ वोटों से भाजपा के पक्ष में जाए। लेकिन, अंतिम राउंड भी कांग्रेस के पक्ष में रहे। जावद का मुकाबला तो और दिल की धड़कन बढ़ा देने वाला रहा। यहां तीन राउंड बाकी थी और ओमप्रकाश सकलेचा को मात्र 434 वोटों की लीड थी। जबकि चौदहवें राउंड तक समंदर पटेल आगे चल रहे थे। मतलब तीन राउंड में से दो अगर समंदर पटेल के पक्ष में जाते तो कांग्रेस यहां से बाजी मार सकती थी। लेकिन बाकी की ईवीएम भी ओमप्रकाश के साथ रही।

सिटी ने भी यशपाल को दिया धोखा...

मतगणना रेवास देवड़ा और आसपास लगे गांवों से शुरु हुई। यहां यशपाल सिंह बढ़त में रहे तो मुल्तानपुरा के बाद मुकाबला लगभग बराबरी का हो गया। इसके बाद मंदसौर नपा क्षेत्र बाकी था। नगरपालिका चुनाव में शहर के वोटरों ने भाजपा को पूरा समर्थन दिया। उम्मीद थी कि यहां से यशपाल सिंह बड़ी लीड लेंगे। लेकिन, यह उम्मीद टूट गई। बारहवें राउंड तक शहर की काउंटिंग पूरी हो गई। शहर ने विपीन जैन को लगभग 500 मतों की बढ़त दे दी। इस समय एक हजार से ज्यादा मतों की लीड विपीन जैन ने ले ली। इसके बाद दलौदा और आसपास के गांव की गणना बाकी आठ राउंड में बाकी थी। यहां मुकाबला था पूर्व सरपंच विपीन जैन और लाडली बहना योजना के बीच। जिस तरह से अन्य विस क्षेत्रों में लाडली बहना योजना का असर ग्रामीण क्षेत्रों में तगड़ा देखने को मिला। वहीं विपीन जैन इस योजना पर भारी पड़े।

चार बार 7-0, इस बार 6-0

मतदाता की खामोशी इस बार कांग्रेस को पड़ी भारी

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता की खामोशी ने एक बार फिर अविभाजित मंदसौर जिले में लगभग क्लीन स्वीप मारा। मतदान के पहले और फिर बाद में भी मतदाता खामोश था। कहा जाता है मतदाता की खामोशी बड़ी उठापटक करती है। यह उठापटक प्रदेश के साथ ही मंदसौर नीमच जिले में भी हुई। जिसकी शिकार 5वी बार कांग्रेस बनी। जी हां पांचवी बार कांग्रेस को तगड़ा झटका मिला। पहले चार बार 7-0 का दर्द झेल चुकी कांग्रेस को इस बार 6-0 का झटका लगा। इसके पहले दो बार 7-0 का दर्द भाजपा झेल चुकी।

दो बार भाजपा का हो चुका क्लीन स्वीप

1972 में कांग्रेस 7-0 से जीती...

क्लीन स्वीप का पहला मौका 1972 में था, जब कांग्रेस को सातों सीटों पर जीत मिली। मंदसौर से श्यामसुंदर पाटीदार, सीतामऊसे धनसुख लाल भाचावत, गरोठ से कस्तूरचंद समेत अविभाजित मंदसौर जिले के सभी कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। जनसंघ से सभी की हार हुई थी।

1977 में जनता पार्टी 7-0 से जीती, मंदसौर ने 2 सीएम दिए...

1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी थी और मंदसौर-नीमच की सभी सीटों पर 7-0 से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ। इसी चुनाव में जनता पार्टी ने मंदसौर जिले से ही सुंदरलाल पटवा और वीरेंद्र कुमार सकलेचा जैसे दो विधायकों को सीएम बनने का मौका मिला था। कांग्रेस के तमाम प्रत्याशी हार गए थे।

1990 में भाजपा 7-0 से जीती, मंदसौर से एक मंत्री दिया...

1990 में भाजपा 7-0 से जीती। मंदसौर से भाजपा के कैलाश चावला, सीतामऊसे नानालाल पाटीदार, गरोठ से राधेश्याम मांदलिया समेत सातों प्रत्याशी जीते। इस चुनाव में कांग्रेस के तमाम दिग्गज चुनाव हार गए थे। भाजपा दूसरी बार क्लीन स्वीप कर गई थी।

1998 में सातों सीटों पर कांग्रेस जीती, 3 मंत्री दिए...

1998 में दोनों जिलों की सातों सीटों पर कांग्रेस जीती। मनासा से नरेंद्र नाहटा मंत्री बने, जावद से घनश्याम पाटीदार, गरोठ से सुभाष सोजतिया मंत्री बने। दोनों जिलों की सातों सीटों को कांग्रेस ने 7-0 से क्लीन स्वीप किया, कांग्रेस को लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप का मौका मिला। यहां भाजपा के सभी दिग्गज नेताओं को हार झेलना पडी थी।

2003 में सातों सीटों पर कमल खिला, 3 मंत्री हारे थे...

2003 के चुनाव में मंदसौर-नीमच की सातों विधानसभा सीटों पर कमल खिला। खास बात ये रही कि अधिकांश भाजपा प्रत्याशी 25 हजार से ज्यादा मतों से जीते। कांग्रेस के मंत्री सुभाष सोजतिया, घनश्याम पाटीदार व नरेंद्र नाहटा भी हारे। सुवासरा में 35 हजार, मनासा में 25 हजार, मंदसौर में 22 हजार, गरोठ में 15 हजार, नीमच में 25 हजार मतों से कांग्रेस प्रत्याशी को हार झेलना पडी।

2018 में एक सीट गई, सरकार गिरने से वापिस लौटी...

इधर बात करें 2018 चुनाव की तो मंदसौर नीमच जिले की विधानसभा में सिर्फ सुवासरा सीट पर कांग्रेस काबिज हुई थी। यहां हरदीप सिंह डंग ने भाजपा के राधेश्याम पाटीदार को हराया था। लेकिन, कांग्रेस सरकार गिरने के बाद उपचुनाव हुए। उपचुनाव में भाजपा का हाथ थाम चुके हरदीप सिंह डंग ने फिर से कांग्रेस के राकेश पाटीदार को हराया। इसके बाद मंत्री भी बन गए।

सड़क पर मवेशी– शहर की सभी प्रमुख सड़को पर मवेशी कब्जा जमाए रहते है। जिससे वाहन चालको के साथ ही पैदल चलने वाले लोगो को भी परेशानी होती है। चित्र नगर पालिका के बाहर गांधी चोराहा का है। जहां बीच सड़क पर मवेशी बैठे है।

मल्हारगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ युवक को दबोचा

आधा किलो अफीम और 110 ग्राम एमडी जप्त

मल्हारगढ़, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। महू नीमच राजमार्ग पर स्थित मोल्या खेडी फंटा से पुलिस ने करीब 11 लाख रुपए कीमती मादक पदार्थ जप्त किया है। जिसमें आधा किलो अफीम और 110 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

मल्हारगढ थाना पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर ग्राम मोल्याखेडी फंटा महु नीमच हाईवे रोड पर दबिश दी गई। इस दौरान शंकरलाल पिता तुलसीराम रैदास जाति मेघवाल उम्र 40 वर्ष निवासी पल्दुनी थाना अरनोद जिला प्रतापगढ राजस्थान से पूछताछ कर तलाशी ली गई। जिसमें उसके पास अफीम और ड्रग्स मिली। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। उसे आज मंगलवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

सोमवार को नहीं निकली धूप, कोहरे के साथ हुई सुबह

दिन भर ठिठुरते रहे लोग, सुबह से चले अलाव

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार के बाद सोमवार ज्यादा सर्द रहा। अंचल के कुछ क्षेत्रों में सुबह हल्की बारिश हुई वहीं घना कोहरा और बादल छाए रहे। दिनभर लोग सर्द हवाओं से ठिठुरते रहे, सुबह से ही गर्म कपडों में लिपटे लोग अलाव लगाकर ठंड से बचने का प्रयास करते रहे।

सोमवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इस दौरान हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते नजर आए। मौसम जानकारों के अनुसार प्रदेश में 7 दिन से वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से बारिश और ओलों का दौर रहा। अगले 5 से 6 दिन तक दिन में धूप और रातें सर्द रहेंगी। 11 और 12 दिसंबर को फिर से बारिश का दौर शुरू होगा।

कांग्रेस ने जैसे नेता बनाए, वैसे नतीजे पाए...

इनसे हुई हानि जानने के लिए राहुल को कराना चाहिए आडिट

मंदसौर/ उज्जैन, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा से जनमत की नाराजी का असर आम आदमी पर साफ नजर आ रहा था। बस इसे भुनाना कांग्रेसी सूरमा कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत जप्त कराने वाले रणदीप सुरजेवाला जानते थे। लेकिन, भुनाने की बजाए टिकट बेचना तो नहीं कहा जा सकता पर सिर्फ अपने पट्ठों को टिकट दिलाने की योजना बनाने में लग गए। कांग्रेस के अनेक शुभचिंतकों ने कई घटिया प्रत्याशियों के चाल चरित्र बखान कर बदलने का आग्रह भी किया था। किंतु, जो दुकान चलाते हैं वह अहम पहले पाल लेते हैं। इसी टिकट बंटवारे के दौरान कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का प्रत्याशी चयन के कारण हुआ आपसी गुटीय विवाद सतह पर आया था। जो राजनीतिक वातावरण में पूरे वृतांत के साथ चंदन की खुशबू की तरह फैल गया था।

सुरजेवाला प्रभारी थे और फरीदाबाद के उनके करीबी अखबारनवीस ने दावा किया था कि सुरजेवाला ने कांग्रेस को कर्नाटक में जितवा दिया है और अब मध्य प्रदेश में भी जितवा देंगे! खुद विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत जप्त करा चुके हैं, क्या वे मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस को यही मंत्र देने आए थे! जो नतीजे में कांग्रेस प्रत्याशियों की हालत हुई उससे तो यही लगता है कि सभी ने सुरजेवाला का अनुसरण किया है। कांग्रेस संगठन के अघोषित सर्वमान्य मुखिया राहुल गांधी ने भारत जोडो यात्रा कर स्वयं के राजनीतिक ज्ञान और अनुभव में काफी इजाफा कर लिया है। पर आदतों का क्या, जो सामने दिखता है उसे भी अनदेखा करते हैं तो अब जो पार्टी पदाधिकारी इन्हें दिखाना नहीं चाहते हैं, उसे देखना समझना तो दूर ये एहसास के करीब भी नहीं पहुंच सकते हैं। इसी कमी का नतीजा मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है। अब लगता है राहुल अपनी पदयात्रा के बाद भी राजनीतिक यात्रा में बहुत बदले हुए नजर आए थे। तब सार्वजनिक दृश्य में कुली से गले मिलना, ऑटो में बैठना नुक्कड पर आम लोगो के साथ चाय नाश्ता करना, बात करना बहुत सुंदर और प्रभावी नैसर्गिक प्रस्तुति थी। पर इसी तरह की हरकत वह अपनी पार्टी के छोटे कार्यकर्ताओं के साथ नहीं कर सके। वे किसी वार्ड, ब्लॉक के गैर पदाधिकारी या राजनीती छोड चुके किसी बुजुर्ग कांग्रेसी से या किसी निष्पक्ष सामाजिक कार्यकर्ता से भी कुली की तरह या ऑटो वाले की तरह बतियाते तो उन्हें कांग्रेस की सतही और सच्ची जनमानस में बनी हुई जानकारी मिलती की कहां किस स्तर पर क्या-क्या कमियां रह गई है!

चन्द्रमोहन भगत

स्तंभकार का राहुल की यात्रा का क्षण भर का ही अनुभव है, कि राहुल जहां भी गए प्रदेश से लेकर स्थानीय कांग्रेसी सरगनाओ ने जो जानते थे कि फलां कार्यकर्ता राहुल से मिला तो स्थानीय संगठन और नेताओं की गतिविधियों का सच बक देगा तो उसे सिक्योरिटी की आड लेकर दूर रखा गया। अगर खुद राहुल ऑटो वाले कुली या ठेले वाले की तरह यात्रा में सबसे मिलते तो प्रदेश कांग्रेस में आमूल चूल परिवर्तन नजर आता। घिसे पिटे नट बोल्ट की तरह दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, सुरेश पचौरी, अरुण यादव, गोविंद सिंह, लक्ष्मण सिंह, शोभा ओझा, चंद्रप्रभाष शेखर, मानक अग्रवाल, सज्जन वर्मा, राजीव सिंह, अर्चना जायसवाल और भी ऐसे ही अनेक नाम होंगे, जिन्होंने कांग्रेस की नींव में घर बनाकर दीमक की तरह कांग्रेस को ही खोखला कर दिया है। इन सभी की कुंडली और बही खातों का सूक्ष्म क्या सतही ऑडिट कराएं तो राहुल और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को तो स्पष्टहो ही जाएगा कि इन्हें कांग्रेस ने क्या-क्या दिया है और जब से हवाएं विपरीत चल रही है बदले में इनसे कांग्रेस को क्या-क्या मिला है?

कांग्रेस के लिए कथित इस विपरीत हवा के जनक भी यही महानुभाव है! जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने कक्ष के बाहर दूर खड़ा रखते हैं और धंधेबाजो, चाटुकारों को साथ में रखते आए हैं। अभी भी ऐसे पदाधिकारियो की कांग्रेस संगठन में भरमार है। ये भी शाश्वत है कि इन्हीं जैसों के कारण कांग्रेस की जनसाख लगातार बदतर होती जा रही है। वर्तमान के विधानसभा चुनाव के नतीजे भी इसी का प्रमाण है। बड़े नेताओं के पट्ठा वाद से हुए नुकसान तो देखें बीते चुनाव में कमलनाथ के प्रिय उमराव गुर्जर को मनासा से लड़वाया था, तब भी हारे थे। अभी नीमच से लड़ाया तब दिलीप सिंह परिहार से 26 हजार 650 मतों से हार गए। जावद में भी एक महीने पहले ही भाजपा से आए समंदर पटेल को प्रत्याशी बनाया, जो 2 हजार 364 मतों से ओम सकलेचा से हारे हैं। यह उल्लेख भी जरूरी है कि ..... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

जलवायु संकट के लिए विकसित देश जिम्मेदार

दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन को लेकर पिछले कई वर्षों से लगातार चिंता जताई जा रही है। अब इसकी वजहें स्पष्ट हैं। मगर मुश्किल यह है कि जब भी उन वजहों को दूर करने की बात आती है, तो विकसित देश अपनी भूमिका को कम करके पेश करते हैं और इसके हल के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लागू करने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर थोप देते हैं। जबकि समूची धरती पर जलवायु संकट जिस स्तर तक गहरा हो चुका है, उसमें मुख्य रूप से विकसित देशों की जिम्मेदारी रही है। इसके बावजूद इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर बैठक या सम्मेलन में तीसरी दुनिया के या विकासशील देशों ने समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई है, उसमें अपनी ओर से हर संभव योगदान किया है। इसी को इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस पर गौर किया जाना चाहिए कि इन देशों ने जलवायु संकट बढ़ाने में कोई योगदान नहीं किया है, इसके बावजूद वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। दरअसल, सीओपी28 में भाग लेने दुबई गए प्रधानमंत्री ने एक तरह से जलवायु संकट पर विकासशील देशों के सामूहिक रुख को प्रतिनिधि स्वर दिया है। सच यह है कि बढ़ते तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्या के पीछे विकसित देशों की ही भूमिका ज्यादा है। खासकर कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को लेकर दुनिया भर में विशेष उपायों को अपनाने या लागू करने पर जोर दिया जाता है। इस समस्या के बढ़ने में अपनी बहुत बड़ी जिम्मेदारी न होने के बावजूद कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जब भी कोई मानक तय किया गया, उस पर अमल के लिए विकासशील देशों ने अपनी ओर से हर संभव उपाय किए, सरोकार जताया, जबकि विकसित देशों ने अलग-अलग कारण बता कर इसमें भागीदारी निभाने को लेकर टालमटोल ही किया। कई बार ऐसे मौके आए, जब विकासशील देशों को आर्थिक सहायता मुहैया कराने के मामले में पर्यावरण असंतुलन को कसौटी बनाया गया। इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने भी कहा कि जलवायु वित्तपोषण पर प्रगति इस मसले पर जरूरी कार्रवाई पर बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप दिखनी चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। जहां तक भारत का सवाल है, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, वनीकरण जैसे कई क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां इसकी प्रतिबद्धता का सबूत हैं। यह सब दरअसल जलवायु संकट या बढ़ते तापमान की समस्या को दूर करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से उठाए गए कदम हैं। भारत के अलावा भी विकासशील देशों ने अपनी सीमा में इस मसले पर योगदान दिया है, ताकि इस वैश्विक चिंता से निपटने में मदद मिल सके। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि बढ़ते तापमान को एक सबसे बड़े संकट के रूप में पेश करने वाले विकसित देश अपने यहां कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने या कम करने को लेकर ईमानदार पहल क्यों नहीं करते। जरूरत इस बात की है कि जिन विकासशील देशों में इस समस्या के हल को लेकर अपेक्षित गंभीरता दर्शायी जा रही है, उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाए। मगर जलवायु संकट में कमी तब तक संभव नहीं है, जब तक विकसित देश इस दिशा में जरूरी इच्छाशक्ति के साथ काम न करें।

उम्र के आखिरी पड़ाव में पूंजीवादी व्यवस्था...

मंगत राम पासला

तानाशाह राजशाही (जागीरदारी व्यवस्था) के खात्मे के बाद स्थापित किए गए नए लोकतांत्रिक शासन प्रणाली (पूंजीवादी लोकतंत्र) के चलते लोगों के मनों के अंदर नई उम्मीदें जगी थीं। जन साधारण को अपने विचार प्रकट करने और शासकों की लोक विरोधी नीतियों के प्रति अपना विरोध दर्ज किए जाने की आजादी मिली। बेशक इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं परन्तु जागीरदारी शासन ढांचे की निरंकुश शासन की ओर से किए गए किसी भी कार्य या आदेश को कुदरत का फरमान समझ और उसे स्वीकार करने के सिवाय कोई अन्य रास्ता उपलब्ध न होने के मुकाबले यह नया शासन प्रबंध मानवता के लिए बड़ी उपलब्धि माना गया था। पूंजीवादी शासन के भीतर लोगों की वोटों के साथ चुनी जाने वाली सरकारों की भी कई किस्में अस्तित्व में आईं और कई किस्म की नई लोकतांत्रिक परम्पराएं कायम हुईं। जैसे संसदीय प्रणाली, इंगलैंड में सम्राट/सम्राज्ञी की संवैधानिक पोजीशन को कायम रखते हुए 2 सदनों वाला संसदीय ढांचा, अमरीका की तरह राष्ट्रपति प्रणाली और स्विट्जरलैंड जैसी अनुपातक प्रतिनिधित्व वाली संसदीय प्रणाली इत्यादि। बेशक इस नई व्यवस्था के अंदर भी राजसत्ता लुटेरे वर्ग के हाथों में ही केंद्रित रही परन्तु फिर भी 'लोगों की ओर से और लोगों का तथा लोगों के लिए' प्रशासन का अस्तित्व में आना मानवीय इतिहास की बड़ी उपलब्धि मानी गई थी। 24 अक्तूबर 1945 में यू.एन.ओ. की स्थापना भी इसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की देन है जहां से विश्व भर में विभिन्न देशों के मध्य उठे विवादों और झगड़ों के समाधान के प्रयत्न

किए जाते हैं। नए युद्धों को टालने के लिए हथियारों और गोला-बारूद के भंडार के बारे में कुछ नियम तय किए गए तथा किसी भी युद्ध के अंदर मानवीय अधिकारों की रक्षा को सामने रखते हुए कुछ बंधन, जिम्मेदारियां तथा परम्पराएं तय की गईं जिसके तहत युद्ध के दौरान अस्पतालों, स्कूलों, बच्चों तथा आम आबादी पर हमले करने की पूरी मनाही के साथ-साथ रैडक्रॉस तथा यू.एन.ओ. के कर्मचारियों को पूर्ण सुरक्षा देने की घोषणा की गई। वैसे तो साम्राज्यीय और फासीवादी ताकतों की ओर से वैश्विक स्तर पर स्वीकृत उपरोक्त फैसलों को कभी भी सत्कार नहीं दिया गया और इन्होंने सदा ही 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाला फार्मूला ही जारी रखा है। धनवान देशों की ओर से अपने निजी हितों को आगे बढ़ाना, लूट-खसूट तेज करने तथा विभिन्न तरीकों से गरीब तथा पिछड़े देशों के प्राकृतिक साधनों, मंडियों तथा मानवीय स्रोतों पर कब्जा जमाने के लिए पूर्व में भी मानवता के खात्मे के लिए युद्ध लड़े गए और मानव विरोधी व्यवहार आज भी निरंतर जारी है। यही नहीं इन हमलावरों ने नए आजाद हुए देशों को किसी न किसी ढंग से गुलामी में जकड़ने का कार्य भी निरंतर जारी रखा हुआ है। इन गुनाहों के लिए मुख्य रूप में अमरीका, यू.के., फ्रांस इत्यादि देश जिम्मेदार हैं जिनका प्रतिनिधित्व अमरीकी साम्राज्य कर रहा है। क्यूबा, वियतनाम, कोरिया, चिली, अफगानिस्तान, ईराक और अब फिलिस्तीन में इन जंगबाजों ने बेकसूर लोगों का जो सामूहिक कत्लेआम किया है वह हर इंसाफ पसंद इंसान को झकझोर कर रख देता है। ऐसे कुकर्म करते हुए न तो यू.एन.ओ. के किसी आदेश, परामर्श या निर्देशों को माना जाता है और न ही विश्व भर में प्रमाणित ऐसे किसी अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून की ही परवाह की जाती है जिसका युद्ध के दौरान पालन करना तय किया गया है। यही नहीं वैश्विक मंचों पर अपने दबदबे को आगे बढ़ाते हुए बिकाऊ मीडिया की मदद से इन खूंखार जंगबाजों की ओर से युद्ध अपराधों की जिम्मेदारी उल्टा पीड़ित देशों के सिर पर ही डाल कर झूठे इल्जामों के साथ उन्हें बदनाम करने के प्रयत्न किए गए हैं। यहां वर्णनीय है कि सी.आई.ए. और मौसाद जैसी बदनाम एजेंसियों ने अपने साम्राजीय आकाओं के आदेशों के तहत हमास, अलकायदा और आई. एस.आई.एस. जैसी आतंकी कार्रवाइयां करने वाले संगठनों की स्थापना की है। ऐसे संगठनों की मदद से रोजाना विश्व के विभिन्न हिस्सों में तख्तापलट की कोशिशें की जाती हैं। यदि कोई देश इनसे बचने के लिए कोई कदम उठाता है तो उस पर बिना देरी किए आतंकवादी होने की मोहर लगाकर उसके विरुद्ध निम्न दर्जे की नफरती मुहिम छेड़ दी जाती है और तुरन्त ही सैन्य हमले किए जाते हैं। यदि कोई समाजवादी या प्रभुसत्ता सम्पन्न देश साम्राज्यीय ताकतों के विरोध में आवाज उठाता है या फिर अपने किसी एक-दो नागरिक को देश का कानून तोड़ने के कारण कोई सजा देता है तो साम्राज्यीय ताकतों का पालतू मीडिया मानवीय अधिकारों के हनन की दुहाई देने लग पड़ता है। यदि अमरीका वियतनाम के लोगों पर घातक हथियारों या फिर कैमिकल गैसों का प्रयोग कर उन्हें तड़पा-तड़पा कर मारता है या ईराक के प्रमुख सद्दाम हुसैन के पास घातक हथियारों के जखीरे होने का झूठा इल्जाम लगाकर ईराक पर धावा बोल देता है तो वह फिर भी अपने आपको मानवीय अधिकारों का सबसे बड़ा संरक्षक होने का दावा करता है। आज संकटग्रस्त पूंजीवादी ढांचा अपनी ओर से शुरू किए गए लोकतांत्रिक और मानवीय कदरों-कीमतों को आज खुद ही मिट्टी में मिला रहा है। शायद अब पूंजीवादी व्यवस्था अपनी उम्र के आखिरी दौर में दाखिल हो गई है। विश्व भर में विभिन्न देशों में रहते अलग-अलग धर्मों, राष्ट्रीयताओं, जातियों, रंगों, नस्लों, अनेक भाषाओं को बोलने वाले लोगों को आज बचाने का समय आ गया है।

लगातार गिरता चीन का विदेशी मुद्रा भंडार

किसी भी देश का विदेशी मुद्रा भंडार उसकी आर्थिक ताकत को दुनिया के सामने दिखाता है, अगर विदेशी मुद्रा भंडार भरा हुआ है तब उस देश की आर्थिक हालत बढ़िया है और अगर वह बढ़ रहा है तो इसे संतोषजनक तरक्की कहा जाएगा लेकिन अगर विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है और उसमें पिछले बहुत समय से न तो स्थिरता दिखाई दे रही है और न ही उसमें कोई बढ़त दिख रही है ऐसे में देश की आर्थिक हालत बहुत चिंताजनक होती है। इन दिनों कुछ ऐसा हाल भारत के पड़ोसी देश चीन का है जहां पर पिछले काफी समय से चीन का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार गिरावट देख रहा है। चीन के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के पीछे एक नहीं बल्कि कई कारण मौजूद हैं। चीन की लगातार गिरती आर्थिक स्थिति और रियल एस्टेट में आए संकट के बाद अब चीन के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के कारण चीन की आर्थिक हालत पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। चीन का विदेशी मुद्रा भंडार जिसने पिछले कई वर्षों से कोई बढ़त नहीं देखी है और लगातार गिरावट देखता जा रहा है वहीं चीन के ऊपर विदेशी कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का यूरोप और अमरीका को निर्यात घटता जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ अमरीकी डॉलर की तुलना में चीनी युआन के लगातार गिरते भाव से चीन की आर्थिक साख खराब हो रही है और ऐसे में विदेशी निवेशक चीन में निवेशित अपनी विदेशी मुद्रा को बाहर निकाल रहे हैं। इससे पहले से खराब चीन का विदेशी मुद्रा भंडार और तेजी से खाली हो रहा है और चीन की आर्थिक हालत भी लगातार खराब होती जा रही है।

शहर में बढ़ रही गाड़ी पार्किंग की समस्या...

देवेंद्र सिंह सिसोदिया

हमारे देश में एक बात को लेकर ज्यादातर लोग यह दावा कर सकते हैं कि अगर अपने शहर में गाड़ी चला ली, तो समझें कि देश के किसी भी शहर में गाड़ी चला सकते हैं। कई बार लगता है कि ऐसे दावे सही हैं। अधिकतर लोग इससे सहमत होंगे। अगर किसी को शक हो तो वह गाड़ी लेकर निकल जाए शहर में किसी भी सड़क पर। जैसा कि कहा जाता है कि यह तो घर-घर की कहानी है, तो बस समझ लिया जा सकता है कि यह कहानी भी शहर-शहर की है। हम जैसे ही घर से गाड़ी तक पहुंचते हैं तो पाते हैं कि हमारी गाड़ी से सटा कर किसी और ने गाड़ी खड़ी कर रखी है। परीक्षा की शुरुआत यहीं से हो जाती है। अब किसी को उन गाड़ियों के बीच से निकालने की कवायद शुरू करनी होती है। कई कोशिशों के बाद सफलता मिल जाएगी। शायद गाड़ियों में 'पावर स्टीयरिंग' का इंतजाम ऐसी ही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किया गया होगा! पार्किंग से सफलतापूर्वक गाड़ी निकालने के बाद जब हम आगे बढ़ते हैं और गली के कोने पर जाते हैं तो वहां कोई न कोई गाड़ी खड़ी की हुई मिलती है। इस गाड़ी के पार कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा होता है और वहां से गाड़ी मोड़ कर मुख्य सड़क पर पहुंचना है। यानी परीक्षा का दूसरा प्रश्न आ गया कि हम कितनी होशियारी से गाड़ी में बगैर खरोंच लगे मोड़ लेकर मुख्य सड़क पर पहुंचते हैं। यह दृश्य किसी कोने में बैठा उस गाड़ी का मालिक एक यातायात पुलिस की तरह देख रहा होता है, ताकि जैसे ही टक्कर हो, वह उठ कर 'जुर्माना' लगाए। कुछ ध्वनि प्रदूषण विरोधियों का यह मत है कि हमें कम से कम 'हार्न' का उपयोग करना चाहिए। कहते हैं कि विदेशों में हार्न बजाने पर जुर्माना लगता है। लगना भी चाहिए। ध्वनि प्रदूषण करना अच्छी बात नहीं है। मगर बगैर हार्न बजाए अगर गाड़ी चला कर कोई दफ्तर जा रहा है तो निश्चित रूप से वह समय पर तो नहीं पहुंच पाएगा। अगर हार्न बजा दिया तो आगे चलने वाला इस तरह घूर कर देखता है, मानो किसी ने बहुत बड़ा अपराध कर दिया। हालांकि वह खुद दोपहिया पर होने के बावजूद चार पहिया वाहन की लेन में चल रहा होता है। कई बार ऐसा लगता है कि सड़क पर जो विभाजक बने हैं, उनमें कोई जबरदस्त चुंबकीय शक्ति होती है, जो दोपहिया वाहनों को अपनी ओर खींचती है! आजकल एक और विशेषता शहर में देखी जा सकती है। सड़कों का विस्तारीकरण तेजी से हुआ है। बड़ी-बड़ी यानी लंबी नहीं, चौड़ी सड़कों का निर्माण शहर के हर क्षेत्र में हुआ है। किसी-किसी इलाके में तो सौ-सौ फीट चौड़ी सड़कें भी हैं। सड़कें क्या बनीं, शहर की

पार्किंग की समस्या का निवारण हो गया है! वहां निशुल्क गाड़ी खड़ी कर कोई खरीदारी कर सकता है, कोई कुछ नहीं बोलने वाला है। बस इस बात का जरूर खयाल रखा जाता है कि वहां एक पर्याप्त चौड़ी पट्टी यानी सात-आठ फुट की गली ईमानदारी से छोड़ दी जाती है, ताकि बाकी के वाहन वहां से पंक्तिबद्ध होकर निकल जाएं! इसके बावजूद अगर जाम लगता है तो अपना धैर्य बनाए रखना है, क्योंकि वहां खड़ी गाड़ियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। वे तब तक खड़ी रहती हैं, जब तक कि उनके मालिक या मालकिन की खरीदारी पूरी न हो जाए। अगर किसी व्यक्ति का इलाज इसलिए कराया जाए कि उसके पास धीरज की कमी है, तो डाक्टर शायद यही सलाह देगा कि उसे रोज शाम को किसी वाहन में बैठा कर एक घंटे व्यस्त सड़क पर शहर का चक्कर लगवाया जाए। इससे उसमें धैर्य का विकास होगा और वह गुस्सा करना बंद कर देगा। फिर हिंसक होने का तो प्रश्न ही नहीं उठता, क्योंकि लोग अब जानते हैं कि जरा भी गड़बड़ की तो बाहर उनसे भी बड़े हिंसक लोग घूम रहे हैं। ऐसी खबरें अक्सर आती रहती हैं कि किसी की गाड़ी से दूसरे की गाड़ी महज छू गई तो सड़क पर ही बुरी तरह मारपीट शुरू हो गई। कई बार लोगों की जान भी चली जाती है।बहरहाल, शहर के यातायात को नियंत्रित करने के लिए हर चौराहे पर कैमरे लगे होते हैं। हमारे शहर के लोग इतने होशियार हैं कि उन कैमरों की दिशा को ध्यान रखते हुए इतनी सफाई से एक किनारे होकर निकलते हैं कि कैमरे की क्या मजाल कि उनकी गाड़ी पर नजर डाले। इन चौराहों पर संकेतक भी काम करते हैं। लोग इतनी ईमानदारी से पालन करते हैं कि जैसे ही हरी बत्ती होती है, तो गाड़ियों के साथ पैदल लोग भी 'जेब्रा क्रासिंग' पर सड़क पार करना प्रारंभ कर देते हैं। यही है शहर की कहानी। जिसने ऐसे शहर में गाड़ी चला ली, वह कहीं भी गाड़ी चला सकता है। वह किसी सफल अभिमन्यु से कम नहीं, जो सड़क यातायात में फंसने के बावजूद अपनी मंजिल पर पहुंच जाता है।

सिलक्यारा सुरंग की घटना से सरकारों को सबक सीखने की जरूरत है

खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर, लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बचाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजदूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादुरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमेरिका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कोताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5075

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5074

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5075

1	2	3	4		■	5	6
7				■	8		
	■	9		10	■		■
11	12	■	13		14		15
16				■		■	
■		■	17	18		■	■
19		20	■		■	21	22
23					■	24	

संकेत: बाएं से दाएं

1. मध्यप्रदेश की एक औद्योगिक बस्ती जो अपने अखबारी कागज मिल के लिए प्रसिद्ध है (5)
5. कच्चे आम या इमली का बना खट्टा-मीठा पेय पदार्थ (2)
7. कुलबुलाहट, कुलबुलाने का भाव (4)
8. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
9. यह अरब का एक प्रायद्वीप है जिसकी राजधानी दोहा है (3)
11. विवाह, दो की संख्या (2)
13. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाए (5)
15. वेतन, पगार, निश्चित अवधि में मिलने वाला पारिश्रमिक शुल्क (4)
17. गणित में दो संख्याओं का योग (3)
19. हिम्मत, पराक्रम, बहादुरी (3)
21. रजनीमुख, संध्याकाल, सांझ (2)
23. दिल या मन के अंदर ही, चुपचाप (5)
25. ख्याति, शोहरत, प्रसिद्धि (2)

ऊपर से नीचे

1. ईमानदार और सच्चा (5)
2. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला कपड़ा (2)
3. लवण, नोन (3)
4. बात या सही अर्थ न समझना (6)
5. शलभ, पतंगा, टिड्डा (4)
6. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
10. प्रगतिशील, ध्यानमग्न (3)
12. मन को रिझाने वाला (5)
14. घी, जौ, तिल आदि को मंत्र पढ़ते हुए अग्नि में डालने का कृत्य (3)
15. यह गौतम बुद्ध की माता का नाम था (2)
18. एशिया महाद्वीप में स्थित देश जिसके निकटतम पड़ोसी देश, चीन कोरिया तथा रूस है (3)
19. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
20. हस्ताक्षर, यथार्थ, दस्तखत (2)
21. केश, जुल्फों की कुंजी (2)
22. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 5074 का हल

ने	पा	ल	■	का	ना	डा	■
[illegible]	म	ल	■	मा	न	क	■
औ	■	खो	ल	ना	■	घ	ना
र	पता	र	■	■	प	र	म
ब	■	■	अ	न	बं	■	क
दी	वा	ने	खा	स	■	त	र
■	■	म	त	■	ख	म	[illegible]
बे	रु	ल	■	फ	र	श	■

कंजार्ड़ा में भगवान चारभुजा नाथ के दर्शन कर विजय जुलस में शामिल हुए विधायक मारू

मनासा, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मनासा विधानसभा से पुन: विजय का परचम लहराने पर भाजपा प्रत्याशी श्री अनिरुद्ध (माधव) जी मारू का स्वागत अभिनंदन एवं मनासा नगर में विजय जुलूस का आयोजन किया गया। श्री मारू ने कंजार्ड़ा स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल पहुंच भगवान चारभुजा नाथ के दर्शन किए और फिर मनासा विजय जुलुस में शामिल हुए। यहां कारगील चौक पर श्री मारू ने कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। यहां से ढोल बाजे और डीजे के साथ विजय जुलुस प्रारंभ हुआ। उत्साह और जोश से भरे कार्यकर्ता ने खुब रंग गुलाल उडाई और मनासा से लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक मतों से विजय होने भाजपा प्रत्याशी श्री मारू का स्वागत किया। खुली जीप में सवार श्री मारू नगर एवं क्षेत्र वासियों का आभार मान रहे थे। जगह जगह नागरकों ने पुष्पवर्षा कर मारू का स्वागत कर जीत की बधाई दी। नागरिकों ने फुल माला पहनाकर, साफा बांधकर और शाल श्रीफल भेंट कर मारू को शुभकानाएं दी। कारगील चौक से होता हुआ विजय जुलुस नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरा इस दौरान पूरा नगर भगवा मय हो गया। जो राम को लाए है हम हम उनको लाएंगे और मोदी के मन में एमपी, एमपी के मन में मोदी की धून पर कार्यकर्ता खुब थिरके।

विधायक मारू ने विजय पर सभी का आभार माना और जीत का श्रय पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता को दिया। श्री मारू ने कहा यह जीत आपकी जीत है और आप लोगों को समर्पित है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए यह अत्यंत भावुकता का क्षण है। आप सभी ने अपने अमूल्य मत के द्वारा मेरे प्रति जो पुन: विश्वास व्यक्त किया है उसे मैं शब्दों में व्यक्त नही कर सकता। मैं आप को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके जनप्रतिनिधि के रूप में मैं क्षेत्र के विकास हेतु सदैव संकल्पित रहूंगा एवं सबका साथ.सबका विकास सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ आप की सेवा में सदा सर्वदा समर्पित रहूंगा। आप सभी के सहयोग से मनासा विधानसभा में विकास का क्रम अनवरत जारी रहेगा। देवतुल्य सम्मानित जनता एवं सभी कार्यकर्ताओं को कोटिश: नमन।।

जिला पंचायत द्धारा 55 हज़ार से अधिक की सहयोग राशि जमा

नीमच, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिको एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कलेक्टर श्री दिनेश जैन के आव्हान पर जिले के नागरिको, अधिकारी –कर्मचारियों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनो, सामाजिक संगठनों ,व्यवसाईयों में आर्थिक सहयोग के प्रति अपार उत्साह देखने को मिल रहा है।इसी क्रम में जिला पंचायत नीमच के सभी अधिकारी –कर्मचारियों ने सैनिक कल्याण के लिए 55 हज़ार 579 रुपए की राशि जिला सैनिक कल्याण के खाते में जमा की है , जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने सोमवार को जिला पंचायत के कर्मचारियों के साथ सैनिक कल्याण के लिए जमा की गई राशि की सूची कलेक्टर श्री दिनेश जैन को भेंट की। जनसंपर्क नीमच, कलेक्टर कार्यालय नीमच एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारियों द्वारा भी मुक्तहस्त से सैनिक कल्याण कोष में ऑनलाइन राशि जमा की गई है।

सोमवार को पत्रकार श्री संजय गौड एवं श्री गिरिजाशंकर परिहार ने कलेक्टर से भेंट कर सैनिक कल्याण के लिए आर्थिक सहयोग राशि जमा करने की मंशा व्यक्त की , इस पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने पत्रकार श्री गौड को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के झण्डे प्रदाय किये। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना सहित अन्य अधिकारी –कर्मचारी उपस्थित थे।

चुनाव में विजयश्री होने पर श्री देवड़ा का मल्हारगढ़ व नारायणगढ़ में विजय जुलूस निकला

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन के वित्त मंत्री व मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री जगदीश देवडा के 58 हजार से अधिक मतो से विजयश्री होने पर सोमवार को मल्हारगढ व नारायणगढ नगर में श्री देवडा का भव्य विजय जुलूस भाजपा के कार्यकर्ताओ व गणमान्य नागरिकों के द्वारा निकाला गया।

मल्हारगढ व नारायगढ में श्री देवडा के विजय जुलूस में बडी संख्या में मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए और उन्होंने श्री देवडा को उनकी विजयश्री पर बधाई दी। इन दोनों नगरों में निकले विषय जुलूस मैं भाजपा जिला महामंत्री पं. राजेश दिक्षित, भाजपा मल्हारगढ मण्डल अध्यक्ष जीतु जाट, पिपलियामण्डी मण्डल अध्यक्ष सामन्तसिह शक्तावत, धुंधडका मण्डल अध्यक्ष जीवन शर्मा, मल्हारगढ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति शर्मिला प्रकाश कच्छावा, उपाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, नारायणगढ नगर अध्यक्ष श्रीमति ममता कुंवर जयराजसिंह, उपाध्यक्ष विरेन्द्र पाटीदार, भाजपा नेता वर्धमान जैन, धमेन्द्र गेहलोत, भंवरलाल तेलकार, मनीष चौहान, मनोहर जैन, मुकेश सोनी, शिवलाल जोशी, रामेश्वर गवरी, भगतराम राठौर, मोहन सेन कच्छावा, मनुदेव आर्य, दिनेश प्रजापति (पूर्व अध्यक्ष मल्हारगढ न.प.) दिनेश तिवारी, लोकेन्द्र कुमावत, सचिन पाटीदार, सौरभ कोठारी (नारायणगढ नगर अध्यक्ष), अशोक दक, सुरेश रूपरा सहित कई गणमान्य भाजपा कार्यकर्तागण भी शामिल हुए।

मल्हारगढ नगर में विजय जुलूस की शुरुआत पण्डित दिनदयाल उपाध्याम की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई उसके बाद विजय बस स्टेण्ड, देवरा चौक, मेन रोड बाजार फ्रेण्डस चौक, गांधी चौक, चार भुजा नाथ मार्ग, शनि-चौक, ईदगाह रोड, अम्बेडकर चौराहा पर भ्रमण किया विजय जुलूस का इन सभी मार्गो पर भव्य स्वागत हुआ। नगर के गणमान्य नागरिको व भाजपा कार्यकर्ताओ ने श्री देवडा का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। बडी संख्या में माता बहनों ने भी अपने घरो के बाहर आकर श्री देवडा को पुष्पगुच्छ भेट किये। बडी संख्या में व्यापारियो ने भी अपनी संस्थान पर श्री देवडा का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। नारायणगढ नगर में श्री देवडा के विकास जुलूस की शुरूवात रूचिन पाटीदार के निवास स्थान से हुई उसके बाद विजय जुलूस ने नाका नं. 3, इमली फाटक, नीम चौक, सुभाष चौक, गांधी चौक, बस स्टेण्ड, समिति चौराहा क्षेत्र से भ्रमण किया। विजय जुलूस के दौरान श्री देवडा का इन सभी मार्गो पर नगर के नागरिकों के द्वारा पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। नारायणगढ नगर के वरिष्ठनागरिको ने भी श्री देवडा के विजय होने पर उन पर पुष्पवर्षा की। मल्हारगढ व नारायणगढ में कई स्थानों पर नागरीको ने साफा बांधकर श्री देवडा का स्वागत किया और विजयश्री होने पर उन्हें बधाईया दी।

चुनाव में जीत के लिए फकीर से खाई चप्पलें...

फिर भी कांग्रेस के पारस सकलेचा 60 हजार वोटों से हारे

रतलाम, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव में जीत के लिए प्रत्याशी किसी भी हद तक चले जाते हैं। ऐसा ही एक वाक्या रतलाम शहर विधानसभा का रहा। यहां कांग्रेस प्रत्याशी पारस सकलेचा ने मतदान के एक दिन पहले जावरा रोड क्षेत्र में सड़कों पर घूमने वाले एक मुस्लिम फकीर से चप्पल मार दुआ ली। उम्मीद यह थी कि इसका कुछ असर होगा, लेकिन सकलेचा बुरी तरह चुनाव हार गए। सकलेचा के समर्थकों ने ही फकीर द्वारा चप्पल मारने का वीडियो वायरल किया था।

सकलेचा 2008 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधायक का चुनाव जीते थे और 2013 में उनकी जमानत जब्त हो गई थी। 2023 में वे कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मैदान में आए, लेकिन भाजपा के चेतन्य काश्यप ने उन्हें 60708 वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया।

नई चप्पल लेकर पहुंचे थे सकलेचा– दरअसल, जावरा रोड पर घूमने वाले फकीर कमाल रजा के बारे में लोगों को मानना है कि अगर वे किसी को चप्पल मारकर आशीर्वाद दे दें तो मार खाने वाले की इच्छा पूरी हो जाती है। इसी वजह से सकलेचा अपने समर्थकों के साथ नई चप्पलें लेकर फकीर के पास गए।

समर्थकों ने ही वायरल किया वीडियो– चप्पल हाथ में लेने के बाद फकीर ने सकलेचा के मुंह, हाथ, पीठ पर कई बार मारी। इसका वीडियो भी सकलेचा समर्थकों ने बनाया और मतदान से पहले इसे वाट्सएप पर वायरल भी किया। उन्हें आशा थी कि इस वीडियो से भी माहौल उनके पक्ष में बनेगा, लेकिन हुआ उल्टा। अब इसी वीडियो को शेयर कर लोग सकलेचा को ट्रोल भी कर रहे हैं।

संसदीय क्षेत्र- कांग्रेस की राजनीति

टिकट वितरण से ही पता चल गया था कि तीन सीटें तश्तरी में भेंट

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र में टिकट वितरण होते ही कांग्रेस की राजनीति उजागर हो गई थी। प्रदेश नेतृत्व ने विधानसभा जावरा, सुवासरा, मल्हारगढ की सीटें भाजपा को भेंट कर दी। और चुनाव परिणाम ने इसे सिद्ध कर दिया। जनता ने एक लाख से अधिक वोटों से इन क्षेत्रों में कांग्रेस प्रत्याशियों को पराजित कर दिया।

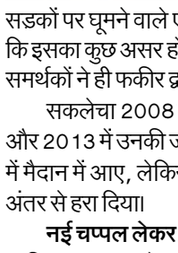

आम मतदाताओं के मुखर होने के बाद कांग्रेस को उम्मीद हो चली थी कि मंदसौर, गरोठ, मनासा, जावद में कामयाबी मिल जाएगी किन्तु यह भी नहीं हो पाया। नीमच में कांग्रेस चाहती तो नन्दकिशोर पटेल, तरूण बाहेती को अवसर देती किंतु अपने समर्थक तथा एक जाति वर्ग ही की लगातार पराजय के बाद भी भरोसा किया गया। परिणाम सामने है। धनगर गायरी समाज की उपेक्षा तो कांग्रेस भाजपा दोनों ही दल कर रहे हैं जबकि संसदीय क्षेत्र में इसके मतदाता सबसे अधिक हैं। कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व हाईकमान को सही रिपोर्ट क्यों नहीं देता। लगातार पराजय के बाद भी आंखें क्यों नहीं खुल रही है।

चार माह बाद लोकसभा चुनाव हैं यदि शीर्ष नेतृत्व ने सही निर्णय नहीं किया तो भाजपा तीसरी बार कांग्रेस को चित्त कर देगी। विधानसभा चुनाव में जैन समाज को पहले आठ में से चार तथा बाद में विरोध के बाद जावरा से टिकट काट कर बाहरी राजपूत को टिकट देकर कांग्रेस ने कबाडा कर दिया। इस घटना से कोई सबक सीखा जाएगा या नहीं। जावरा में श्रीमालजी को टिकट देकर काटना कौनसी रणनीति थी ? विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो गलतियां की वे दुहराई जाएंगी तो लोकसभा चुनाव में भी मातम मनाने को तैयार रहना होगा। क्योंकि दो-दो तीन-तीन बार हारने वाले चंदाचोर अभी से लोकसभा का टिकट लेने का सपना देखने लगे हैं। यदि कांग्रेस को लोकसभा सीट पर भाजपा से दो चार होना है तो नए उम्मीदवार चाहे वह युवा हो या अनुभवी को अवसर देना होगा। विधानसभा चुनाव में 8 में से 7 सीटों पर कडी पराजय के बाद भी कांग्रेस सबक सीखेगी। इसका जवाब तो लोकसभा के उम्मीदवार चयन से पता चल जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय श्री कमलनाथ, श्री दिग्विजयसिंह या कोई और अन्य क्षत्रप सही चयन कर ले तो लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की दिलचस्पी बढ जाएगी अन्यथा खाली अखाड़े में ढोल बजाने से कांग्रेस इस अंचल में मजबूत नहीं होगी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जो पिटाई हुई है उसकी टीस और गूंज तीन महिने खत्म होने वाली नहीं है।

विक्रम विद्यार्थी, मंदसौर

नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों पर छूट लाभ लें

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशानिर्देशानुसार तथा श्री प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री अजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय मंदसौर तथा तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, सीतामऊ, नारायणगढ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 दिसम्बर 2023 शनिवार को किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकरण, पराक्रम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामले, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिगृहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर/बिल संबंधी प्रकरण (चोरी के मामलों को छोडकर), सेवा मामले जो सेवा निवृत्त संबंधी लाभों से संबंधित है। दीवानी मामले तथा अन्य समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य प्रिलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा जावेगा।

लोक अदालत में म.प्र. पश्चिम विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 09 दिसम्बर 2023 (शनिवार) को होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरणों में निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि 05 किलो वाट भार तक के गैर घरेलु, 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को नियमानुसार छूट दी जावेगी। प्रिलिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जानें पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छ:माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट की जावेगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छ:माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जावेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत 09 दिसम्बर 2023 में समझौता करने के लिये ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी। लोक अदालत के संबंध में जानकारी एवं कठिनाई या किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के कार्यालयीन समय में जिला विधिक सहायता अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

यूएई के साथ शैक्षिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ शैक्षिक सहयोग को सुदृढ बनाने को लेकर हुए समझौते को लेकर लोकसभा में प्रश्न किया।

सांसद गुप्ता ने कहा कि सरकार का विचार संयुक्त अरब अमीरात में कार्यरत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध भारतीय विद्यालयों को सहायता प्रदान करने के लिए दुबई में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का कार्यालय खोलने का है। सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए दोनों देशों के संयुक्त कार्य दल का गठन किया गया है। साथ ही द्विपक्षीय संबंधों के सुदृढ स्तंभों में से एक शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और बढाने के लिए सरकार द्वारा अन्य कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं। प्रश्न के जवाब में शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच शिक्षा के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर नवंबर 2023 में हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत शामिल सहयोग के क्षेत्रों में सामान्य और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सूचना और सर्वोत्तम पद्धतियों का आदान-प्रदान, राष्ट्रीय अर्हता रूपरेखा, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) शिक्षण कर्मचारियों का क्षमता विकास, दोनों देशों में युगल, संयुक्त उपाधि और दोहरी उपाधि कार्यक्रम प्रदान करने के लिए उच्च शैक्षिक संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए दोनों सरकारों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का प्रावधान शामिल है। प्रस्तावित जेडब्ल्यूजी संयुक्त अरब अमीरात के साथ डिग्री और कौशल विकास की मान्यता और समकक्षता सहित शिक्षा से संबंधित सभी मामलों पर ध्यान देने के लिए एक संस्थागत मंच प्रदान करेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के नेतृत्व में एक दल ने सितंबर 2023 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया और संयुक्त अरब अमीरात में संबंधित हितधारकों के साथ डिग्री (मेडिकल डिग्री सहित) की मान्यता और समकक्षता के मुद्दों पर चर्चा की। अबू धाबी में आईआईटी दिल्ली के परिसर की स्थापना के लिए दिनांक 15.07.2023 को शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली और अबू धाबी शिक्षा और ज्ञान विभाग (संयुक्त अरब अमीरात) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रदेश में अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा, चलेगा हर बूथ पर मोदी अभियान

भोपाल, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करके भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता आराम नहीं करेंगे बल्कि लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएंगे। पार्टी ने अब लोकसभा चुनाव के लिए 'हर बूथ पर मोदी' अभियान चलाने का काम शुरू कर दिया है। भाजपा ने मिशन 2024 के लिए 51 प्रतिशत वोट शेयर पाने का लक्ष्य तो रखा ही है, साथ में प्रदेश की सभी 29 संसदीय सीटों को भाजपा की झोली में डालने का संकल्प भी लिया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता ने प्रचंड बहुमत से आशीर्वाद दिया है। अब हमारा संकल्प है कि हम लोकसभा चुनाव में सभी सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने हमें 51 प्रतिशत वोट शेयर का टास्क दिया था। हम 49 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहे हैं। अब लोकसभा चुनावों में टास्क को पूरा करने के लिए काम किया जाएगा। हारने वाले बूथों की समीक्षा की जाएगी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि समीक्षा करेंगे कि पार्टी किन बूथों पर चुनाव हारी है, उन बूथों पर हम कैसे लोकसभा चुनाव जीतेंगे और जिन बूथों पर हम कम मतों से जीते हैं। उनमें 10 प्रतिशत वोट शेयर कैसे बढेगा, अब इस पर काम किया जाएगा। लोकसभा चुनाव में हम सब और परिश्रम से सभी बूथों को जीतेंगे। प्रदेश के 64 हजार 523 बूथ पर मोदी अभियान चलेगा। शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने आदर्श कार्यकर्ता के तौर पर अपनी भूमिका निभाकर शानदार काम किया है।

दो पहिया, चार पहिया वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 15 दिसंबर से पूर्व लगाया जाना अनिवार्य

रतलाम, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के पालन में परिवहन विभाग द्वारा अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत समस्त दो पहिया तथा चार पहिया वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट आगामी 15 दिसंबर से पूर्व लगवाया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि निर्धारित समय के पश्चात हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बगैर कोई भी वाहन सडक पर संचालित होना पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी दीपक माझी ने बताया कि दो पहिया वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए लगभग 500 रुपए एवं चार पहिया वाहनों के लिए 800 से 1000 रुपए अनुमानित फीस चुकाना होगी।

कांग्रेस के जिस नेता के पास थी हारी सीटों को जिताने की जिम्मेदारी, उसके भाई-भतीजे ही हारे

भोपाल, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 2018 के चुनाव में 114 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को इस बार 66 सीटों से संतोष करना पडा है। कांग्रेस के एक नेता को हारी सीटें जिताने के काम पर लगाया गया था, उस नेता के भाई-भतीजे ही चुनाव हार गए हैं।

बता दें कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में एक साल पहले से चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। हर नेता ने अपनी अलग जिम्मेदारी लेकर काम शुरू कर दिया था। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास प्रदेश की हारी सीटों को जिताने की जिम्मेदारी थी। वे एक साल से प्रदेश की ऐसी सीटों पर भ्रमण कर रहे थे। लेकिन 2023 के जो परिणाम सामने आए, उसमें दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह चुनाव हार गए। उनके भतीजे माने जाने वाले प्रियवत सिंह खींची खिलचीपुर विधानसभा सीट से हार गए। इसके अलावा उनके कई समर्थक भी चुनाव हारे हैं। जिसमें जीतू पटवारी बडा नाम है। बता दें कि दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह चाचौड़ा विधानसभा सीट से हारे। खिलचीपुर विधानसभा सीट से प्रियवत सिंह खींची हार गए। दिग्विजय सिंह के दोस्त और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठनेता भिंड जिले की लहर विधानसभा सीट से गोविंद सिंह हार गए। दिग्विजय सिंह के सबसे दमदार समर्थक, इंदौर जिले की राऊ विधानसभा सीट से जीतू पटवारी भी नहीं जीत सके। दिग्विजय सिंह के समर्थक कालापीपल विधानसभा से प्रत्याशी कुणाल चौधरी हारे। दिग्विजय सिंह के रिश्तेदार केपी सिंह कक्काजू भी चुनाव नहीं जीत सके।

दर्जी समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन फरवरी में होगा आयोजित...

अखिल गुजरात दर्जी समाज का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल गुजरात दर्ज़ी समाज चेरीटेबल ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों- ट्रस्टियों और सदस्यो का स्नेह मिलन समारोह अर्जुन आश्रम, चांदलोडिया अहमदाबाद मे संपन्न हुआ। मंचस्थ पदाधिकारी यों ने आगामी फरवरी 2024 में ट्रस्ट द्वारा आयोजित युवक युवतियों का परिचय मेला और शादी समारोह भव्य बनाने के लिए कटिबद्ध होने की बात पर अनुरोध किया। मध्य प्रदेश इंदौर से पधारे दामोदर वंशीय श्री सुरेश परमार का परिचय श्री दिनेश परमार ने दिया और ट्रस्ट के प्रमुख श्री जगदीश भाई दर्जी और महामंत्री श्री जीतुभाई दर्जी ने शाल ओढाकर स्वागत किया। जूना गुजराती दामोदर वंशीय दर्ज़ी समाज के इतिहास मुताबिक़ हम सब एक ही है यह श्री परमार ने बताया और आपसी सहयोग की बात रखी। अखिल गुजरात दर्ज़ी समाज के ट्रस्ट समिति अध्यक्ष दिनेश परमार ने टेकचंद जी महाराज के समाधि महोत्सव में हिस्सा लिया था और अपने अनुभव की अच्छी यादें प्रस्तुत करके दामोदर वंशीय दर्ज़ी समाज की सराहना की ! अखिल गुजरात दर्ज़ी समाज के ट्रस्ट के युवा सदस्य और अखिल

भारतीय दर्जी महासभा के गुजरात प्रदेश के महामंत्री श्री कल्पेश भाई नांढा ने समाज में होश और जागरूकता फैलाने का अभियान चलाने की बात की और अहमदाबाद में गुजरात दर्ज़ी भवन का निर्माण करने की बात रखकर अपनी और से 11 लाख और 11111 रुपिया का दान घोषित करके शुंभारंभ किया।

प्रशासनिक अधिकारी हेतु रहेगी नि: शुल्क कोचिंग क्लास– विशेष में गुजरात के सभी दर्ज़ी समाज के होनहार बच्चों को प्रशासनिक अधिकारी की सेवा में स्थान मिले इस लिए अपनी और से नि:शुल्क कोचिंग क्लास (निवास और भोजन) का प्रशासनिक अधिकारी हेतु उच्च अंक प्राप्त बच्चों की क्लास प्रारंभ की जा रही है , इसके लिए बच्चों के आवेदन लिए जा रहे हैं। गुजरात ट्रस्ट पदाधिकारी श्री दिनेश परमार के प्रयास और संकलन से मध्य प्रदेश के दामोदर वंशीय दर्ज़ी समाज के बच्चों को भी यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए श्री कल्पेश जी राजी हुए और हमारे उत्सुक युवक युवतियों का मेरिट आधारित प्रवेश के लिए मार्कशीट और आधार कार्ड और फ़ोटो हमारे दामोदर वंशीय , पूर्व ट्रस्टी , प्रधान संपादक अनमोल ज्ञान इंदौर स्थित श्री सुरेश परमार द्वारा संकलित करने का तय हुआ। श्री जगदीश दरजी प्रमुख, श्री जीतुभाई दर्ज़ी महामंत्री, श्री दिनेश चंद्र परमार अध्यक्ष अखिल गुजरात दर्ज़ी समाज चेरीटी ट्रस्ट, श्री कल्पेश नांढा ट्रस्ट के युवा कार्यकर और अखिल भारतीय दर्जी महासभा के गुजरात प्रदेश महामंत्री, अशोक सोलंकी ट्रस्ट के आजीवन सदस्य और शिक्षा के कार्यक्रमों में सहयोगी, मध्यप्रदेश में श्री सुरेश परमार, 83/3 संविद नगर, इंदौर 452018 मध्यप्रदेश को आवेदन मय दस्तावेज के आवेदन दे सकते हैं। अखिल भारतीय दरजी महासभा अहमदाबाद गुजरात के प्रबुद्ध जनों ने सामाजिक में जो सराहनीय कार्य की शुरुआत की इसके लिए आपका वंदन अभिनंदन कार्य के लिए दर्जी समाज उत्थान सेवा समिति जिला मंदसौर के अध्यक्ष दिनेश परमार, खेजडिया उपाध्यक्ष दिनेश देवड़ा आकोदडा, सचिव शिव शंकर सोलंकी, राजेश परमार नगरी, राजेश पटेल मंदसौर, विनोद सोलंकी सुवासरा, पंकज टेलर दीपा खेड़ा, श्याम टेलर दलावदा, सुरेश सोलंकी बैलारा, दुर्गा सोलंकी, अंजलि देवड़ा मंदसौर आदि ने बधाई शुभकामना दी। उक्त जानकारी दर्जी समाज उत्थान सेवा समिति के सचिव शिव शंकर सोलंकी ने प्रेस नोट में दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	158	2111	2321
उडद	18	5800	8550
सोयाबीन	4000	3600	4960
गैहु	1146	2600	3162
चना	53	5174	5560
मसुर	30	5200	6075
धनिया	196	5800	7811
लहसुन	6700	10501	22500
मैथी	427	4701	6899
अलसी	621	4970	5236
सरसो	201	5126	5321
तारामीरा	2	4774	4774
इसबगोल	19	17720	21300
प्याज	3000	500	3500
कलोंजी	26	14800	16900
डॉलर	30	7000	12900
तिल्ली	17	12901	16400
मटरसुखी	20	2352	2944
असालीया	9	10800	11418

समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने मां भादवा के दिव्य मंदिर निर्माण का जायजा लिया

इतिहास में लिखा जाएगा स्वर्णिम पल: अयोध्या में बन रहा राम मंदिर, वहीं नीमच के चमत्कारिक स्थल महामाया भादवामाता के मंदिर का हो रहा जीर्णोद्वार

नीमच, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान समय स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास के पन्नों में लिखा जाएगा। क्योंकि एक और जहां 500 साल बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है वहीं नीमच के अति प्राचीन और मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से विश्व विख्यात महामाया भादवामाता का दिव्य मंदिर का निर्माण जोर-शोर से चल रहा है। प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने मंदिर निर्माण का काम अपने हाथों में ले रखा है। वे जानकारों टीम की मदद से अनूठा और दिव्य मंदिर बनवा रहे हैं।

पिछले वर्ष 4 दिसंबर 2022 को मास्टर प्लॉन के तहत दिव्य मंदिर निर्माण का भूमिपूजन विद्वान पंडितों की मौजूदगी में अरूल अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा किया गया था। भूमिपूजन के साथ ही मंदिर निर्माण शुरु हो गया। सबसे पहले मंदिर परिसर के समीप स्थित धर्मशालाओं को अन्य जगह शिफ्ट किया गया। आस—पास की जगह को समतलीकरण कर मंदिर निर्माण की नींव रखी गई। बीते एक वर्ष के दौरान लगातार निर्माण कार्य चलता रहा। वर्तमान में निर्माण से तेजी से चल रहा है। फर्श और पिलर तक का काम पूर्ण हो गया है। समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने दिव्य मंदिर निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने चारो तरफ की स्थिति को देखा इंजीनियर को दिशा— निर्देश दिए कि जल्द से जल्द छत भरने का काम पूर्ण किया जाए, वायब्रेटर मशीन व तराई अच्छे ढंग से करने की बोला गया। इसके बाद पत्थरों की नक्काशी का काम शुरू होगा, जो मंदिर की दिव्यता में चार चांद लगाएंगे। उन्होंने मंदिर निर्माण में किसी भी प्रकार की कमी व ढीलाई नहीं बरतने की बात पर जोर दिया श्री अरोरा ने कहा कि माताजी के आशीर्वाद से ही यह काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। माताजी का आशीर्वाद समझकर ही इस दुर्लभ कार्य को पूर्ण करने की कड़ी मेहनत की जावे, ताकि आने वाले युग में वर्तमान युग की उद्धृत कलाकारी और मजबूती की मिसाल देखने को मिले। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सेठी, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष मनीष जोशी, पुजारी शांतिलाल, वरिष्ठपत्रकार मूलचंद खींची, इंजीनियर उत्सव जैन, राहुल, महेंद्र नामदेव सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मंदिर के पराक्रम से ही भक्तों के कष्ट दूर होंगे— आने वाले कुछ वर्षों में भक्तों को एक उद्भुत और दिव्य मंदिर दिखेगा, जिसकी पराक्रम से भक्तों में नई उर्जा का संचार होगा। बावडी से लेकर मंदिर परिसर चकाचक होंगे। भादवामाता के भक्त अशोक अरोरा गंगानगर ने मंदिर परिसर का काम अपने हाथ में ले रखा है। इसके द्वारा माताजी गर्भगृह, बावडी, शिव मंदिर गर्भगृह, रंग मंडप, सभा मंडप, हवन कुंड, शिवजी का सभा मंडप, झरोखे, बावडी निर्माण कार्य करवाएं जाएंगे।

वायुसेना का ट्रेनर एयरक्राफ्ट हुआ दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

हैदराबाद, 4 दिसंबर। तेलंगाना में भारतीय वायुसेना के एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर है। घटना तेलंगाना के मेदक जिले की है। हादसे के वक्त विमान में एक ट्रेनर पायलट और एक ट्रेनी पायलट मौजूद थे। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई है।

जानकारी के अनुसार, विमान चट्टानों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हुआ और उसमें आग लग गई। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के डिंडीगुल स्थित एयर फोर्स एकेडमी से सुबह के समय ट्रेनर विमान ने उड़ान भरी थी। जिसके बाद सुबह 8.55 बजे यह विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे का शिकार हुआ विमान एयरक्राफ्ट था। वायुसेना ने बताया कि ट्रेनर विमान रुटीन उड़ान पर था। वायुसेना ने कहा कि हादसे में दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे में किसी भी आम नागरिक या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। वायुसेना ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

सोना 64 हजार के पास पहुंचा चांदी 77 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 1 हजार 77 रुपए महंगा होकर 63 हजार 805 रुपए पर बिका। इससे पहले 1 दिसंबर को सोने ने अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब इसकी कीमत 62 हजार 728 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

विशेषज्ञों के मुताबिक शादियों का सीजन शुरू हो चुका है, इसमें सोने की डिमांड बढने लगी है। इसके अलावा चीन की रहस्यमयी बीमारी से भी लोगों में डर है। इससे सोने को सपोर्ट मिल रहा है। ऐसे में अगले एक साल में सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

चांदी भी 77 हजार के पार निकली...

चांदी की भी सोमवार को शानदार तेजी देखने को मिली। ये 673 रुपए महंगी होकर 77 हजार 73 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले ये 76 हजार 400 रुपए पर थी। वहीं नवंबर में भी इसमें अच्छी तेजी रही थी।

बीते माह सोने-चांदी में रही बढ़त...

बीते महीने यानी नवंबर में सोने-चांदी के दाम में बढ़त देखने को मिली थी। 1 नवंबर को सोने के दाम 60 हजार 896 रुपए थे, जो 62 हजार 607 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए थे वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 5 हजार 109 रुपए बढ़ी थी यह नवंबर के पहले दिन 70 हजार 825 रुपए पर थी, जो आखरी में 75 हजार 934 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

कायाकल्प की टीम ने बड़े अस्पताल को देखा

ओपीडी, इंजेक्शन कक्ष, हेल्प डेस्क सहित महिला रोगियों की देखी व्यवस्था

यह टीम का दूसरा निरीक्षण है जिसमें पाई गई खामिया दुर करने के लिए कहा गया। ताकि फाइनल निरीक्षण के दौरान नीमच का बड़ा अस्पताल नंबर वन आए और उसे श्रेष्ठ पुरस्कार हासिल हो सके।

मनासा पुलिस को मिली सफलता...

डेढ़ किलो अफीम के साथ एक धराया

मनासा, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस अधीक्षक नीमच अमित तोलानी द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर अंकुश लगाने हैतु अधिक से अधिक कार्यवाही करने हैतु सभी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया था इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच श्री नवलसिंह सिसोदिया व एसडीओपी मनासा श्री विमलेश उईके के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक शिवकुमार यादव के नेतृत्व में थाना मनासा टीम द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी करते 1 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित एक आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है।

थाना मनासा को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति रायसिंगपुरा से देवरी लोडकीया महागढ होकर अवैध मादक पदार्थ अफीम लेकर जाने वाला है सूचना पर कार्यवाही करते हुए घाटी वाले बालाजी मंदीर के सामने आमरोड देवरीखवासा पर नाकाबंदी कर मोटर सायकल क्रं एमपी 44 एमटी 3994 एचएफ डिलक्स के चालक आरोपी जितेन्द्र सिंह पिता लालसिंह सोंधीया राजपुत उम्र 31 साल नि0 रायसिंगपुरा को रोककर तलाशी लेते उसके पास से अवैध मादक पदार्थ अफीम 1 किलो 600 ग्राम होना पायी गयी जिसे एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन कर जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर मोके की कार्यवाही कर आरोपी के विरूध्द अपराध क्रं 550/2023 धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया है तथा आरोपी से मादक पदार्थ के स्त्रोत के संबंध में पुछताछ जारी है।

व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड(प्रवेश स्तर) भर्ती प्रारंभिक परीक्षा 2022 के लिए आवेदन आमंत्रित

नीमच, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय मुख्य पीठ जबलपुर ने व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड (प्रवेश स्तर) भर्ती प्रारंभिक परीक्षा 2022 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी जबलपुर एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के माध्यम से इस परीक्षा के प्रतिभागियों की तैयारी के लिए ऑनलाइन निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 5 दिसंबर 2023 की शाम 5:00 बजे तक पंजीयन कराया जा सकता है।

मिचोंग तूफान के असर और अरब सागर से आ रही नमी से छाए बादल, तीन दिन बाद बढ़ेगी सर्दी

भोपाल, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बंगाल की खाड़ी में बने तूफान 'मिचोंग' के असर से प्रदेश के पूर्वी और अरब सागर में बने चक्रवात से आ रही नमी के असर से प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बादल छाए हुए हैं। इसके अतिरिक्त राजस्थान पर द्रोणिका के रूप में बना पश्चिमी विक्षोभ भी असर दिखा रहा है। बादलों के कंबल के असर से रात का तापमान बढ़ा हुआ है और सर्दी तीखा रुख नहीं अपना पा रही है। वहीं यही बादल सूरज को ढंककर दिनों को सर्द बनाए हुए हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों तक प्रदेश के मौसम में बड़ा बदलाव नहीं आएगा। गंभीर चक्रवातीय तूफान और मौसम प्रणालियों का असर कम होने के बाद बादल छंटेंगे और तब तापमान में तेजी से गिरावट आएगी।

वरिष्ठमौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से आगे बढ़ रहा तूफान मिचोंग गंभीर चक्रवाती तूफान बन चुका है। यह दक्षिण आंध्र प्रदेश और उत्तर तमिलनाडु के तट पर दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर स्थित है। वर्तमान में यह चेन्नई से 100 किमी की दूरी पर है। मिचोंग पांच दिसंबर को आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट से टकराएगा। बेहद ताकतवर तूफान के असर से छत्तीसगढ के साथ पूर्वी मध्यप्रदेश में भी उंचाई पर बादल छाए हुए हैं। इस दौरान दिन के तापमान में गिरावट आएगी। वहीं एक अन्य मौसम प्रणाली अरब सागर में ऊपरी हवा के चक्रवात के रूप में बनी हुई है, जिससे नमी आ रही है। इसके असर से उत्तरी मध्य प्रदेश विशेष तौर पर ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए रहने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ का भी प्रभाव—एक पश्चिमी विक्षोभ हरियाणा के दक्षिणी भाग पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध बनी हुई है। इसका असर भी प्रदेश पर दिख रहा है। तीन प्रणालियों का संयुक्त प्रभाव प्रदेश को बादलों के आगोश में समेटे हुए है। बादलों के चलते रात में अपेक्षित सर्दी नहीं पड रही है। अधिकतर शहरों में रात का तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। बीते चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान हिल स्टेशन पचमढी में 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मैदानी इलाकों में खरगौन में 14.2 डिग्री सेल्सियस, खंडवा में 15 तो बैतूल में 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

अंचल में मावठे की बारिश, ठंडी हवाओं से लोग गर्म कपड़ों में लिपटे, मौसम में घुली ठंडक

लूनाहेड़ा, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर सहित अंचल में रविवार रात्रि 2 बजे 2.30 बजे तक जोरदार मावठे की बारिश हुई। इससे कई खेतों की क्यारियां भी भर गई साथ ही मौसम में ठंडक घुल गई । सोमवार सुबह से ही मौसम ठंडा रहा । दिन में मौसम में बदलाव हुआ लेकिन मावठे की बारिश नहीं हुई। दिन में ठंडी हवाओं के चलते अधिकांश लोग घरों में दुबके रहे दिन में अलाव जलाकर समय बिताया वहीं कई लोग दिनचर्या के काम-काज चलते गर्म कपड़े पहनकर अपने काम को गति दी। किसानो ने बताया कि पहले भी 26 दिसंबर को मावठे की बारिश हुई थी इससे गेहुं,चना,अलसी,सरसों,मसुर सहित अन्य फसलों को फायदा हुआ। अब एक सप्ताह के बाद फिर जोरदार मावठे की बारिश ने खेतों में और नमी ला दी। इससे करीब 20 से 25 दिनो तक खेतों में खड़ी फसलों को पानी देने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही अफीम फसल को आंशिक रूप से नुकसान होने की संभावना है।

हरदीप का हिंदू कार्ड वहीं देवड़ा की सहजता, सरलता, जनता में छाई रही...

नाहरगढ़, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा की प्रचंड जीत के चर्चा हर घर से लेकर चौपाल तक हैं। जबरदस्त तरीके से सत्ता में एंट्री करने वाले भाजपा के उम्मीदवार का क्रेडिट कार्ड जनता में जबरदस्त तरीके से धमाल मचाया हुआ है। कहीं राजनीति पंडितों का भी रुझानों का पहले दिमाग गड़बड़ होता दिखाई दिया, पर जनता के भरोसे और विश्वास ने मतदान की मशीन पर ऐसा बटन दबाया की चारों तरफ भाजपा की लहर दिखाई दी है। लाडली बहनों की भी चर्चा जबरदस्त घरों से लेकर चौपाल तक नजर आई है। लाडली बहनों ने मतदान जिस प्रकार अपना उत्साह दिखाया है। उसी के नतीजे में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होता दिखाई दी। लाडली बहनों का क्रेडिट कार्ड भी जोरदार तरीके से भाजपा के लिए संजीवनी साबित हुआ है। वही सुवासरा से श्री हरदीप सिंह डंग की हिंदुत्व वाली छवि के साथ लोगों में मेल मिलाप, अंदाज भी लोगों को वोट में तब्दील करने के लिए काम आया है। मंत्री रहते हुए श्री हरदीप सिंह डंग ने जनता से लगातार जुड़े रहे और उन्होंने अपने काम में दलालों को और गलत काम करने वालों को दूर रखा है। इसका एक परिणाम उनकी प्रचंड़ जीत हुई। वहीं भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता एंवं मंत्री श्री जगदीश देवड़ा की सरलता, सहजता का परिणाम मल्हारगढ़ की जनता ने अपना कर्तव्य निभाते हुवे, प्रचंड़ जीत का तोहफा जनता ने उनको समर्पित किया है।

शिवना नदी में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिये चूने का घोल डालने का कार्य जारी

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शिवना नदी के पानी में जब आक्सीजन की कमी हो जाती है। तो नदी में मछलियो के गरने की संभावना बढ जाती है। ऐसे में नदी के पानी में आक्सीजन की मात्रा बढाने के लिये चुना डाला जाता है ताकि आक्सीजन की मात्रा जो कम हुई है वह बढ सकें। नपा परिषद ने मत्स्य विभाग की इसी सलाह पर काम करते हुए पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित छोटी पुलिया क्षेत्र में मछलियो को मरने से रोकने के लिये यहां जो आक्सीजन की कमी हुई है। उसे बढाने के लिये कल को शिवना नदी के पानी में कई बार चुना डाला, नपा परिषद के द्वारा आगामी समय में जरूरत के अनुसार शिवना नदी में और भी चुना डाला जायेगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह ने मछलियो के मरने के बाद शिवना नदी के उक्त स्थान का निरीक्षा किया औ र नपा अधिकारियो कर्मचारियो को निर्देश दिये।

✻ उठावना ✻

स्व शंकरलालजी की पत्नी, गोपाल की माताजी एवं योगेश, संजय व आशीष की दादीजी एवं विदित व यश्वीर की परदादीजी श्रीमती कंकुबाई बाथरा का स्वर्गवास दिनांक 3 दिसंबर 2023, रविवार को हो गया है। उठावना दिनांक 5 दिसंबर 2023, मंगलवार को दोपहर 12 बजे कुमावत धर्मशाला, नसिंहपुरा रोड, रामटेकरी, मन्दसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
रुपलाल, रमेश, सत्यनारायण, गोपाल, राजमल, मदन, कन्हैयालाल, नटवर, सुरेंद्र, गजेंद्र, लोकेन्द्र एवम समस्त बाथरा कुमावत परिवार, मंदसौर

लूनाहेड़ा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर निकली विजय यात्रा

लूनाहेड़ा, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे जगदीश देवड़ा की एतिहासिक जीत की खुशी पर गांव के सरपंच ईश्वरलाल धनगर के नेतृत्व में तथा गांव की लाडली बहनों ने ढ़ोल ढमाके एवं डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए चार भुजानाथ मंदिर से विजय यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता लाडली बहना शामिल हुई। विजय यात्रा गांव के मुख्य मार्गों र्को होते हुवे पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। वहीं मांगीलाल पाटीदार ने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर बधाई प्रेषित की। भाजपा की एतिहासिक जीत की खुशी पर पूर्व उप सरपंच महेश पाटीदार के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाज़ी के साथ गांव में विजय जुलूस ढ़ोल ढमाके के साथ निकाला गया। जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान एक दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

खांसी की दवाई पर फिर उठे सवाल, टेस्ट में फैल हो गए 50 से ज्यादा कफ सिरप निर्माता

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। देश में कफ सिरप (खांसी की सिरप) बनाने वाली 50 से अधिक कंपनियां गुणवत्ता जांच में फेल हो गई हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह रिपोर्ट उन खबरों के बाद आई है, जिनमें पूरी दुनिया में 141 बच्चों की मौत को भारत में बनी कफ सिरप से जोड़ा गया था।

खबर के अनुसार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की ओर से जारी इस रिपोर्ट के अनुसार 54 कंपनियों की अक्टूबर तक जारी 2104 जांच रिपोर्ट्स में से 128 मानक गुणवत्ता की नहीं थीं। इसमें फूडएंडड्रग लैबोरेटरी गुजरात ने अक्टूबर तक 20 कंपनियों के 385 सैंपल की जांच की थी। इनमें से 51 सैंपल मानक गुणवत्ता ने नहीं थे। इसी तरह सेंट्रल ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेटरी मुंबई ने 10 कंपनियों के 523 सैंपल की जांच की थी। इनमें से 18 सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल रहे। वहीं, रीजनल ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेटरी चंडीगढ़ की ओर से जारी 10 कंपनियों की 284 जांच रिपोर्ट्स में से 23 सैंपल इस कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए।

भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) गाजियाबाद ने नौ कंपनियों की 502 रिपोर्ट जारी कीं जिनमें 29 सैंपल गुणवत्ता जांच में असफल रहे।

रडार पर हैं भारतीय कफ सिरप बनाने वाली कंपनियां—बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबलूएचओ) ने पिछले साल अक्टूबर में कहा था कि पश्चिमी अफ्रीकी देश गांबिया में एक्यूट किडनी इंजरी की वजह से हुई 70 बच्चों की मौत उन कफ और कोल्ड सिरप से जुड़ी हो सकती हैं जिनका निर्माण भारतीय कंपनी मैडेन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने किया था। इसके बाद से ही भारतीय कफ सिरप निर्माता रडार पर हैं। डब्ल्यूएचओ ने पांच अक्टूबर को कहा था कि गांबिया में एक्यूट किडनी इंजरी से हुई बच्चों की मौतें एक भारतीय कंपनी की ओर से बनाई गई संक्रमित सर्दी-खांसी की सिरप से जुड़ी हो सकती हैं। लेकिन भारत सरकार ने दावा किया था कि मैडेन फार्मास्यूटिकल्स की कफ सिरप की जांच में कोई अनियमितता नहीं पाई गई।

मई में दिया गया था सैंपलों की जांच करने का निर्देश—इस साल मई में भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने राज्य औषधि नियंत्रकों से कफ सिरप निर्माताओं की ओर से मिले उन सैंपलों की जांच करने का निर्देश दिया था जिनका एक्सपोर्ट होना था। इस काम को डीजीसीआई ने प्राथमिकता से करने और जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द जारी करने के लिए कहा था। इसके साथ ही विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) भी कफ सिरप निर्यातकों के लिए यह अनिवार्य कर चुका है कि वह एक्सपोर्ट करने से पहले अपनी कफ सिरप की जांच सरकारी लैबोरेटरी में करवाएं और सर्टिफिकेट ऑफ एनालिसिस प्रस्तुत करें।

गुजरात में आयुर्वेदिक सिरप ले चुकी है पांच की जान—पिछले सप्ताह गुजरात के खेड़ा जिले में कथित तौर पर मेथिल अल्कोहल युक्त एक आयुर्वेदिक सिरप का सेवन करने से पांच लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग बीमार हो गए थे।

म.प्र. में स्वर्णकला बोर्ड का गठन अन्य राज्यों के लिये भी प्रेरणादायी होगा-सोनी

स्वर्णकला बोर्ड के सदस्यों ने मुख्यमंत्री चौहान से भोपाल में भेंट की

मंदसौर, 4 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वर्णकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री दुर्गेश सोनी के नेतृत्व में सदस्य सर्वश्री अजय सोनी मंदसौर, कमलेश सोनी सागर, कमल सोनी रीवा, भोलेशंकर सोनी जबलपुर, सोनी महापंचायत के संयोजक धीरज सोनी भोपाल, मयंक सोनी मंदसौर, राम सोनी सागर ने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान से उनके भोपाल स्थित निवास पर भेंटकर स्वर्णकला समाज के लिये योजनाओं के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान के पुत्र श्री कार्तिकेय चौहान भी उपस्थित थे।

मंदसौर से बोर्ड के सदस्य अजय सोनी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि आपके नेतृत्व में स्वर्णकला बोर्ड के गठन से स्वर्णकार समाज में उत्साह की लहर व्याप्त हैं जिसका लाभ विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिला है। मुख्यमंत्रीजी द्वारा स्वर्णकला बोर्ड के गठन से स्वर्णकार बंधुओं को शासन की योजनाओं का लाभ मिलेगा वहीं जरूरतमंद स्वर्णकार बंधुओं को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। आपने कहा कि युवाओं के मार्गदर्शन व रोजगार के लिये स्वर्णकार बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्रीजी के नेतृत्व में योजनाएं शुरू की जाएगी। अजय सोनी ने बताया कि मुख्यमंत्रीजी श्री चौहान द्वारा स्वर्णकला बोर्ड गठन की जो पहल की है वो पूरे भारत भर के लिये बहुत ही सुंदर सराहनीय है। जो अन्य राज्यों में भी प्रेरणा रूप होगा। जिसमें कोई शंका का स्थान नहीं है व इस योगदान से हजारों स्वर्णकार बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनेगा। बोर्ड अध्यक्ष श्री दुर्गेश सोनी सहित सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्रीजी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने स्वर्णकार समाज का चुनाव में योगदान देने के लिये धन्यवाद दिया। सभी अध्यक्ष सहित सदस्यों ने आगामी समय में स्वर्णकार समाज के लिये अन्य योजनाओं के संबंध में भी मुख्यमंत्रीजी से चर्चा की।

कांग्रेस ने जैसे नेता बनाए... पेज 1 से जारी

पिछले चुनाव में पटेल ने निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस प्रत्याशी को हरवाया था। उज्जैन बड़नगर से भी नाथ के प्रिय मुरली मोरवाल को पहले से घोषित प्रत्याशी राजेंद्र सोलंकी को बदलकर प्रत्याशी बनाया था। उनके पुत्र करण मोरवाल पर रेप का प्रकरण संभाग भर में चर्चित मामला था। चुनाव हारे सीट भाजपा के जितेंद्र पंड्या ने 36 हजार मतों से जीत ली। उज्जैन उत्तर से भी बीते चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र भारती को हरवाने वाली माया त्रिवेदी को प्रत्याशी बनाया था, वे भी 27 हजार से अधिक मतों से हारी है। इसी तरह नाथ के प्रिय रहे प्रेमचंद गुड्डू ने भी आलोट से निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। कमलनाथ के सबसे करीबी सज्जन वर्मा भी 23 मतों से हारे हैं। महू विधानसभा से भी नाथ के पट्ठा वाद के कारण भाजपा की भेट चढ़ गई। ऐसी दर्जन से अधिक सीटें हैं जो प्रदेश अध्यक्ष के पट्ठा वाद के कारण भाजपा को भेंट कर दी गई है। अचरज भरे नतीजे जरूर लग रहे हैं। लगेगा भी, क्योंकि वातावरण भाजपा से नाराजी का था। पर, कांग्रेस अध्यक्ष के पट्ठा वाद ने कांग्रेस को धरातल पर ला दिया और भाजपा को अर्श पर, अभी ऐसी और भी कांग्रेस संगठन की कारगुजारी उजागर होती रहेगी।

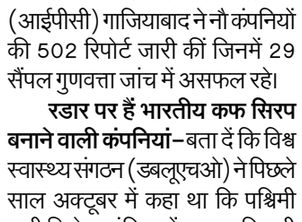

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in